मैं अपने पिता के साथ नबी -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम - के पास गया। फिर अल्लाह के रसूल -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम - ने मेरे पिता से फ़रमाया : “क्या यह तुम्हारा बेटा है?” उन्होंने कहा : हाँ, काबा के रब की क़सम।

अबू रिमसा -रज़ियल्लाहु अन्हु - से वर्णित है, वह कहते हैं कि मैं अपने पिता के साथ नबी -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम - के पास गया। फिर अल्लाह के रसूल -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- ने मेरे पिता से फ़रमाया : “क्या यह तुम्हारा बेटा है?” उन्होंने कहा : हाँ, काबा के रब की क़सम। आपने फ़रमाया : “क्या सच में?” उन्होंने कहा : मैं इसकी गवाही देता हूँ। वह कहते हैं कि नबी -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम - मेरे पिता से मेरी समानता देखकर तथा मेरे पिता के मेरे बारे में क़सम खाने को देखकर मुस्कुराने लगे, फिर आपने फ़रमाया : “याद रहे, न तो यह तुम्हारे ऊपर जुल्म करे और न तुम इसपर जुल्म करो।” फिर अल्लाह के रसूल -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम - ने यह आयत तिलावत फ़रमाई : {ولا تَزِرُ وَازِرَةٌ وِزْرَ أخرى} (कोई व्यक्ति किसी का बोझ नहीं उठाएगा।) [सूरा अल -अनआम : 164]

[सहीह] [इसे नसाई ने रिवायत किया है। - इसे अबू दाऊद ने रिवायत किया है। - इसे अहमद ने रिवायत किया है। - इसे दारिमी ने रिवायत किया है।]

http://www.sunnah.global/hadeeth/hi/show/58217